

८. गजल

-माणिक वर्मा

परिचय

जन्म : १९३८, उज्जैन (म.प्र.)

परिचय : हास्य-व्यंग्य के सशक्त हस्ताक्षर माणिक वर्मा जी वाचिक परंपरा में प्रमुख स्थान रखते हैं। आपके व्यंग्य बड़े ही धारदार होते हैं। आपकी गजलें बहुत ही प्रेरणादायी होती हैं।

प्रमुख कृतियाँ : 'गजल मेरी इबादत है', 'आखिरी पत्ता' (गजल संग्रह), 'आदमी और बिजली का खंभा', 'महाभारत अभी जारी है', 'मुल्क के मालिको जवाब दो' आदि।

पद्य संबंधी

प्रस्तुत गजल के अधिकांश शेरों में वर्मा जी ने हम सबको जीवन में निरंतर अच्छे कर्म करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। गजलकार ने संदेश देते हुए कहा है कि अपने रूप-रंग से सुंदर दिखने के बजाय अपने कर्मों से सुंदर दिखना आवश्यक है।

आपसे किसने कहा स्वर्णिम शिखर बनकर दिखो,
शौक दिखने का है तो फिर नींव के अंदर दिखो।

चल पड़ी तो गर्द बनकर आस्मानों पर लिखो,
और अगर बैठो कहीं तो मील का पत्थर दिखो।

सिर्फ देखने के लिए दिखना कोई दिखना नहीं,
आदमी हो तुम अगर तो आदमी बनकर दिखो।

जिंदगी की शक्ल जिसमें टूटकर बिखरे नहीं,
पत्थरों के शहर में वो आईना बनकर दिखो।

आपको महसूस होगी तब हरइक दिल की जलन,
जब किसी धागे-सा जलकर मोम के भीतर दिखो।

एक जुगनू ने कहा मैं भी तुम्हारे साथ हूँ,
वक्त की इस धुंध में तुम रोशनी बनकर दिखो।

एक मर्यादा बनी है हम सभी के वास्ते,
गर तुम्हें बनना है मोती सीप के अंदर दिखो।

डर जाए फूल बनने से कोई नाजुक कली,
तुम ना खिलते फूल पर तितली के टूटे पर दिखो।

कोई ऐसी शक्ल तो मुझको दिखे इस भीड़ में,
मैं जिसे देखूँ उसी में तुम मुझे अक्सर दिखो।

(‘गजल मेरी इबादत है’ से)

— ० —



शब्द संसार

स्वर्णिम पुं.वि.(सं.) = सोने के रंग का/सुनहला

शक्ल स्त्री.सं.(अ.) = चेहरा

गर्द स्त्री.सं.(फा.) = धूल

धुंध स्त्री.सं.(सं.) = धुआँ, कोहरा

स्वाध्याय

* सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(१) गजल की पंक्तियों का तात्पर्य :

१. नींव के अंदर दिखो -----
२. आईना बनकर दिखो -----

(२) कृति पूर्ण कीजिए :

मनुष्य से अपेक्षाएँ

(३) जिनके उत्तर निम्न शब्द हों, ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए :

१. भीड़
२. जुगनू
३. तितली
४. आसमान

(४) निम्नलिखित पंक्तियों से प्राप्त जीवनमूल्य लिखिए :

१. आपको महसूस -----
----- भीतर दिखो ।
२. कोई ऐसी शक्ल -----
----- मुझे अक्सर दिखो ।

(५) कृति पूर्ण कीजिए :

गजल में प्रयुक्त प्राकृतिक घटक

(६) कवि के अनुसार ऐसे दिखो :

अभिव्यक्ति

प्रस्तुत गजल की अपनी पसंदीदा किन्हीं चार पंक्तियों का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए ।

उपयोजित लेखन

‘यदि मेरा घर अंतरिक्ष में होता,’ विषय पर अस्सी से सौ शब्दों में निबंध लेखन कीजिए ।



BP9EXA